depending on various factors like purity, place of origin, demand and supply, etc.

(b) and (c) From the markings and other indication? on the packages, it appears that the drug was smuggled from across the Indo-Pak border. Five persons were arrested in the case for taking appropriate action under the law.

Deployment of Indo-Tibetan Border Police for Bank Security in Punjab

1014. DR. RATNAKAR PANDEY:

SHRI BEKAL UTSAHI:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Central Governmenl have directed the Indo-Tibetan Border Police to take over the security arrangements of all the nationalised banks in Punjab; and

(b) if so, what are the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF THE STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and <b) Six Bns. of Indo-Tibetan Border Police have been sanctioned for the security of Banks in Punjab. The Bns. are under raising at present.

Tampering of Tea packed for Export to West Asia

1015. SHRI B. SATYANARAYAN REDDY:

SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK:

SHRI SHARAD YADAV:

SHRI RAM NARESH KUSHA-WAHA:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item which appeared in the 'Times of India' of the 25th October, 1987, to the effect that tea packed for export to West Asia was found to have j been tampered with at the warehouses before it was shipped out of Calcutta;

(b) whether any inquiry has been in-stituted into the matter; and

(c) if so, what action has been taken against persons found involved in this act ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. R. DAS MUNSHI): (a) M/s. Balmer Lawrie & Co. Ltd. (A Govt, of India Enterprise) were to export 1400 metric tons of tea to the Govt. Trading Corporation, Iran. The company engaged the services of M/s. Milton Tea Packaging & Consultants Pvt. Ltd., Calcutta who were operating from a hired godown. While weighment of inspected/approved original teas was in progress prior to gunny wrapping and shipment, one of the tea chests accidentally fell down and split open. The company supervisor present on the spot j found that the contents of the broken chests were grossly inferior to the original sampled tea. All other chests which were already approved were opened and they *prima facie* appeared to be tampered with.

(b) and (c) A police case has been filed at the Garden Reach police station. M/s. Balmer Lawrie & Co. Ltd. has taken action to recall and withhold shipment of all teas which have been processed at the above contractors godown earlier and were awaiting shipment to the docks. The Company has decided to carry out reinspeclion of all leas processed in the above contractors godown before these are eventually exported. The local representative of the importing organisation has been ap-prised of the situation and assured that if any chest out of the present shipment is found - to contain inferior tea the same will be replaced free of cost.

हिन्दी सलाहकार समिति

1016 : **श्री जगम्बी प्रसाद यादव :**
श्री राम चन्द्र विकल :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिन्दी सलाहकार समिति की गत बैठक में राजभाषा अधिनियम और वार्षिक

कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए क्या-क्या निर्णय लिये गये और राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा अब तक 19 वर्षों में एक वर्ष का भी वार्षिक कार्यक्रम पूरा न किये जाने के क्या कारण हैं;

(ख) क्या यह सच है कि मंत्रालय के हिन्दी अनुभाग को छोड़कर किसी भी संचिका में हिन्दी में कार्य नहीं किया जाता है; और

(ग) मंत्रालय, अधीनस्थ कार्यालयों, संस्थानों के किन-किन अनुभागों में शत-प्रतिशत कार्य वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार हो रहा है, और यदि ऐसा नहीं किया जा रहा है, तो इसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रिय रंजन दास मुंशी) : (क) हिन्दी सलाहकार समिति द्वारा अपनी पिछली बैठक में दिये गये सुझावों में शामिल है : वाणिज्य मंत्रालय के लिये एक अलग पुस्तकालय की स्थापना एवं इस प्रयोजनार्थ स्वीकृत निधि का समुचित उपयोग, मंत्रालय में निदेशक के पद का सृजन ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हिन्दी कार्यान्वयन संबंधी कार्य प्रभावी ढंग से हो, द्विभाषी कम्पयूटर तथा द्विभाषी इलेक्ट्रानिक उपस्करों की व्यवस्था, जांच बिन्दुओं तथा हिन्दी के लिये आवश्यक अवस्थापना जैसे कि मंत्रालय के प्रत्येक कार्यालय में हिन्दी स्टाफ तथा हिन्दी टाइपराइटरों की व्यवस्था, सरकारी कामकाज में सरल हिन्दी का प्रयोग, मंत्रालय के सभी संगठनों द्वारा हिन्दी में तथा अन्य भाषाओं में वीडियो कैसेट तैयार करना जिनमें उनके कार्यकलाप तथा उनके उत्पादों को चित्रित किया गया हो, राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का कार्यान्वयन एवं हिन्दी में मूल पत्राचार बढ़ाना ।

मंत्रालय राजभाषा अधिनियम और साथ ही हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में वार्षिक कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने के लिए प्रयास करता रहा है ताकि लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अन्तर्गत आने वाले कागजात द्विभाषी रूप में जारी किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये अन्य बातों के साथ-साथ निम्नोक्त उपाय किये गये हैं :—

(1) उन सभी टाइपिस्टों को, जिन्हें अभी तक हिन्दी टाइपराइटिंग में प्रशिक्षित नहीं किया गया है, हिन्दी टाइपिंग का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक समयबद्ध कार्यक्रम तैयार किया गया है। इस प्रयोजन के लिये मंत्रालय में ही एक हिन्दी टाइपिंग प्रशिक्षण यूनिट आरम्भ किया गया है। हिन्दी आशुलिपिक प्रशिक्षण के लिये भी प्रत्याशियों को भेजा जा रहा है।

(2) मंत्रालय में हिन्दी आशुलिपिकों के एक पूल की व्यवस्था की गई है ताकि हिन्दी में टिप्पण तथा ड्राफ्टिंग का डिक्टेशन देने के लिए अधिकारी उनकी सेवाओं का उपयोग कर सकें।

(3) मंत्रालय के तीन अनुभागों अर्थात् रोकड़-I, रोकड़-II तथा व्यवस्था-iv सभी स्तरों पर अपना कार्य हिन्दी में ही करने के लिये अभिज्ञात किए गए हैं।

(4) मंत्रालय में सभी अनुभागों में ऐसी पांच फाइलें अभिज्ञात कर ली गई हैं जिनमें सभी स्तरों पर केवल हिन्दी में कार्य किया जा रहा है।

(5) सरकारी प्रयोजनों में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के लिये जांच बिन्दु बनाए गए हैं।

(6) पत्राचार में हिन्दी के प्रयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए मानक मसौदे हिन्दी में भी तैयार किये गये हैं।

(ख) जी नहीं।

(ग) हिन्दी अनुभाग के अतिरिक्त, मंत्रालय में जिन अन्य अनुभागों को सभी कार्य हिन्दी में करने के लिए अभिज्ञात किया गया है वे हैं : रोकड़-I, रोकड़-II तथा व्यवस्था-iv अनुभाग। अधीनस्थ कार्यालयों, संस्थानों आदि में वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार कार्यक्रम कार्यान्वित करने के लिए प्रयास किये गये हैं। पर्याप्त प्रशिक्षित स्टाफ तथा यांत्रिक सुविधाएं न होने एवं कतिपय क्षेत्रों में कार्य की विशेष अपेक्षाओं की वजह से वे ऐसा नहीं कर सके हैं।

हिन्दी में कार्य करने के लिये पदों का सृजन

1017. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :**
श्री राम चन्द्र विकल :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :